अन्तर्वलित विभिन्न विषयों के मूल्यांकन का अधिक अच्छा अवसर प्राप्त होगा। सिद्धांततः यह निस्सन्देह एक विद्यिमान्य तर्क है। किन्तु राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था और प्रशासनिक सुविधा के व्यावहारिक विचार की दृष्टि से यह बात स्पष्टतः अधिमान्य हो जाती है कि दोनों साधारण निर्वाचन देश भर में साथ-साथ कराये जायें। साधारण निर्वाचन चाहे संसद् के लिए हो या राज्य विधान सभा के लिए, उससे प्रशासनिक आयास का, उस कार्य के लिये लगभग छः सप्ताह के लिये आवश्यक रूपेण बड़ा भारी व्यपवर्तन हो जाता है और वस्तुतः, दोनों निर्वाचन अलग-अलग कराने में इस कारण राष्ट्र के राज्यकोष पर उस व्यय का लगभग दुगुना भार पड़ता है जो कि दोनों निर्वाचन साथ-साथ कराने में आता है। अतः यह स्पष्टतः वांछनीय है कि इस दोहरे आयास और व्यय से यदि संभव हो तो बचा जाये।

Bridge over Ganges near Patna

859. Shri Bishwanath Roy:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri K. N. Tiwary:
Shri Ram Kishan Gupta:
Shri Vishwa Nath Pandey:

Will the Minister of **Transport and Shipping** be pleased to state:

(a) whether the scheme regarding the construction of a bridge over the Ganges near Patna has been finalised; and

(b) if not, the reasons therefor?

The Minister of Transport and Shipping (Dr. V. K. R. V. Rao): (a) and (b). No, Sir. The proposed bridge falls on a State road. The Government of Bihar are, therefore, primarily concerned with the scheme. It has not been finalised so far, because of the problem of finding a suitable site which will not endanger the safety of the town of Patna. In order to find a solution to the problem, the State Government have recently entered into an agreement with a foreign firm, viz., M/s. J. G. White Engineering Corporation of New York, for studying the various sites suggested so far and recommending a suitable site.

दिल्ली में राशन में मिलने वाली वस्तुओं के मूल्य

861. श्री राम चरण : क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में *राशनिंग लागू* होने के बाद से राशन में मिलने वाली वस्तुओं के मूल्यों में कई बार वृद्धि की गई है;

(ख) यदि हां, तो मूल्यों में कितनी बार वृद्धि की गई तथा यह वृद्धि किन-किन चीजों के बारे में की गई है; और

(ग) इस वृद्धि का बाजार में बिकने वाली अन्य चीजों के मूल्यों पर क्या प्रभाव पड़ा है?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्ना साहिब शिन्दे) :

(क) और (ख). जब से दिल्ली में राशन व्यवस्था लागू हुई है तब से राशन में बेची जाने वाली खाद्य वस्तुओं अर्थात् चावल, गेहूं और हलमील आटे के विक्री मूल्यों में केवल दो बार वृद्धि की गई है। पहली बार यह वृद्धि केन्द्रीय भन्डारों से विभिन्न राज्यों को दिये जाने वाले खाद्यान्नों के निर्गम मूल्य में साधारण वृद्धि करने पर और दूसरी बार खुदरा व्यापारी की लाभ गुंजाइश में बढ़ोत्तरी करने पर की गयी थी।

जहां तक चीनी का संबंध है, मार्च, 1966 में मूल्यों में वृद्धि की गयी थी लेकिन अक्तूबर, 1966 में मूल्य घटा दिये गये थे। तथापि, फरवरी, 1967 से फिर बढ़ोत्तरी